आर्यिका श्री १०५ साकारमति माता जी

तभी शूल तब शूल हो, पूजन साधन सार।
सत संयति का फल मिले, भव सागर पार।।

आर्यिका श्री १०५ साकारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी आशा जी
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन (सब इंजीनियर)
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्रीमती अर्चना
(जन्म के क्रम से)		३. डॉ. बा.ब्र. नीलम जी ४. श्री जितेन्द्र
		५. श्रीमती नेहा
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-०८-१९६९,शुक्रवार श्रावण शुक्ल १०/११
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०२६, जैतपुर जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (संस्कृत), एम.कॉम., प्राकृतिक चिकित्सा कोर्स
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०९-०९-१९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
		रामटेक जी नागपुर (महाराष्ट्र) १९९४
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र
		नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सौम्यमति माता जी

थक जाना ना हार है, पर लेना है श्वास।
रवि निशि में विश्राम ले, दिन में करे प्रकाश।।

आर्यिका श्री १०५ सौम्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी स्वाति जी**
पिता का नाम	:	श्री टेकचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सवित्री बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री संजय २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री स्वास्तिक ४. श्री स्वरित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१७-०७-१९७२,प्रात: १०:३० बजे आषाढ़ शुक्ल
दिन/ स्थान/समय		७, वि.सं. २०२९, सोमवार जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-११-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपकी गृहस्थ जीवन की बुआ आर्यिका श्री १०५ आगममति माता जी है जो आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ शांतमति माता जी

देह गेह का नेह तज, आतम हो अनुभूत।
स्नेह जले दीपक तभी, करे उजाला पूत।।

आर्यिका श्री १०५ शांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी शशि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती विमलेश २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री मनोज ४. सुधा
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०४-०३-१९६७,माघ कृष्ण ८, सं. २०२३, शनिवार
दिन/ स्थान/समय		मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. प्रथम वर्ष
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२०-०१-१९८९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मण्डी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूटजी क्षेत्र (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ सुशांतमति माता जी

प्रभु चरणों में हार कर, शस्त्र डालकर काम।
विनीत हो पूजक बना, झुक-झुक करें प्रणाम।।

आर्यिका श्री १०५ सुशांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी निर्मला जी
पिता का नाम	:	श्री मन्नू लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लीला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री सुरेन्द्र २. श्रीमती आशा ३. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		४. श्रीमती अनीता ५. श्रीमती अंजना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२२-०६-१९६५,आषाढ़ कृष्ण ८, सं. २०२२, मंगलवार
दिन/ स्थान/समय		मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२२-१२-१९८९
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मंडी बामौरा जिला-विदिशा (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूटजी क्षेत्र खण्डवा (म.प्र.) २०-०४-१९९७
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

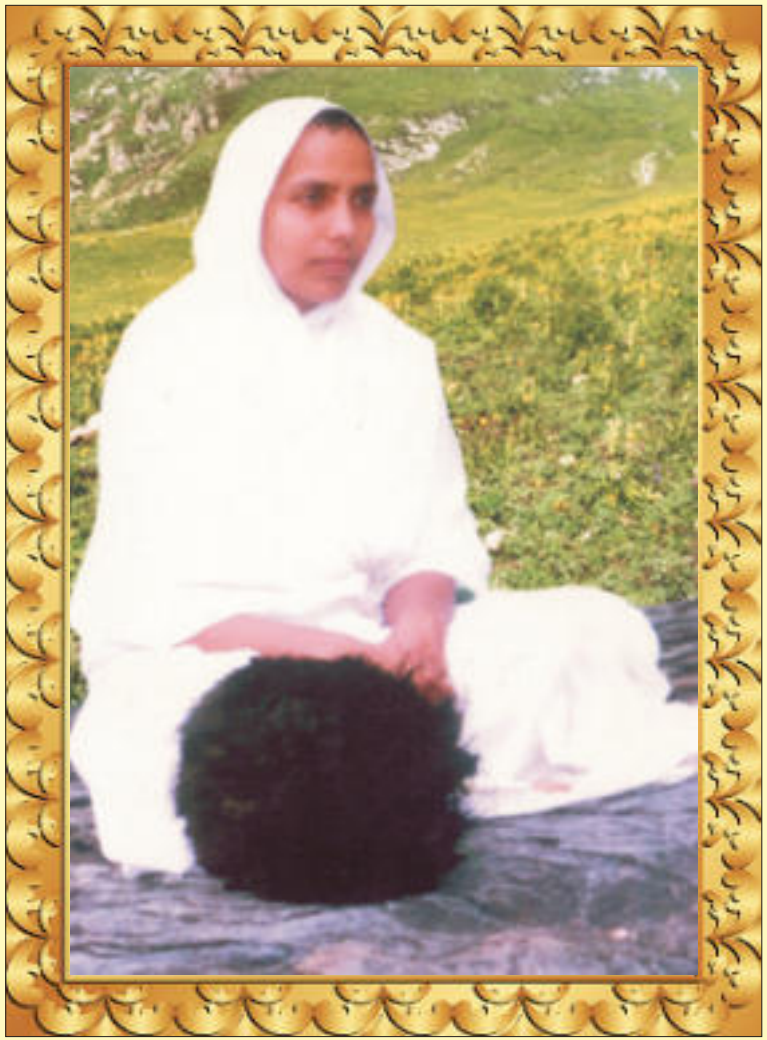

आर्यिका श्री १०५ सदयमति माता जी

नाम बने परिणाम तो, प्रमाण बनता मान।
उपसर्गों से क्यों डरो? पार्श्व बने भगवान।। 26।।

आर्यिका श्री १०५ सदयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सरोज जी
पिता का नाम	:	श्री हेम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गुणमाला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमति कंचन २. श्रीमती उषा ३. श्रीमती आशा
(जन्म के क्रम से)		४. श्रीमती सुधा ५. आपका क्रम ६. श्री मुकेश
		७. श्री मनोज ८. श्री मनीष
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१६-०६-१९६७,द्वितीय आषाढ़ शुक्ल ०७
दिन/ स्थान/समय		सं. २०२६, बुधवार, सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		रामटेक जी, नागपुर, (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी (गुजरात)१९९६
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ प्रभावना मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ समुन्नतमति माता जी

ज्ञान तथा वैराग्य ये, शिव पथ साधक दोय ।
खडगढाल से भूप ज्यों, श्री यश धारक होय।।

आर्यिका श्री १०५ समुन्नतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी मीना जी
पिता का नाम	:	श्री शांतिलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती विमला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमति स्वर्णलता २. श्री कैलाश ३. अनीता जैन
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. श्री ललित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०१-०८-१९७४,श्रावण शुक्ल १४,गुरूवार
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३१, खजुरिया जिला-अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०१-०१-१९९३, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मढिया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
		पावागढ़ जी क्षेत्र (गुजरात) ०७-०२-१९९६
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल १ वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र
		नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ शास्त्रमति माता जी

दोषर हितअ ाचरणस ,च रणप ूज्यब नज ाय।
चरण धूल तक सिर चढ़े, मरण पूज्य बन जाय।।

आर्यिका श्री १०५ शास्त्रमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेखा जी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाशचंद जी बजाज
माता का नाम	:	श्रीमती शशि बाई जी बजाज
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमति सीमा २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री अमित ४. श्रीमती अंजली
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१४-१२-१९७४,शनिवार, मार्गशीर्ष शुक्ल १ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०३७, अशोकनगर, जिला-गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०७-०५-१९९५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, १४-०१-१९९७ भरूच (गुजरात)
आर्यिका दीक्षा	:	०६-०६-१९९७ ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री 105 सुधारमति माता जी

मदन माल का मूल मन, मूल मिटा प्रभु आप।
मदनजयी, जित मान हो, पावन अपने आप।। 23।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ सुधारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	श्री केवल चंद्र जी कठ्रया
माता का नाम	:	श्रीमती विमला बाई जी कठ्रया
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति कुसुम 2. श्रीमति गीता 3. श्रीमति निर्मला 4. श्री प्रमोद 5. आपका क्रम 6. श्री प्रवीण 7. श्री प्रदीप
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	04-01-1964, रविवार, माघ कृष्ण 5 वि.सं.2020 अशोकनगर, जिला- गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	16-01-1991, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी, जिला- बैतूल (म.प्र.) अक्षय तृतीया
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	एक प्रतिमा, 1994, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	06-06-1997 ज्येष्ठ शुक्ल 1 वि.सं. 2054 श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
पूर्व में संघस्थ	:	आर्यिका श्री 105 अनंतमति माता जी
समाधि	:	18-08-2019, रविवार, भाद्रपद कृष्ण 3 वि.सं. 2076 श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र खजुराहो जिला-छतरपुर (म.प्र.)
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी

उच्च फूलों में जनम ले, नदी निम्मना होय।
शान्ति, पतित को भी मिले भाव बड़ो का होय।।

आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी पुष्पा जी**
पिता का नाम	:	श्री लखमीचंद जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शांति बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री शिखरचंद २. श्रीमति कमला ३. श्रीमति सरोज
(जन्म के क्रम से)		४. श्री प्रमोद ५. आपका क्रम ६. श्री प्रदीप
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२१-०१-१९६३ सोमवार, माघ कृष्ण ११वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०१९ सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८०,सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, १९९१, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी जी जिला-बैतूल (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी

जिनवर आंखे अध खुली, जिनमें झलके लोक।
आप दिखे सब देख ना, स्वस्थ रहे उपयोग।।

आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी नलिनी जी 'नीलू'
पिता का नाम	:	श्री जय प्रकाश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती द्रोपदी जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. आपका क्रम २. श्री विकास
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१७-०५-१९६६, ज्येष्ठ कृष्ण १२, मंगलवार वि.सं. २०२३, दिल्ली
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (12वीं)
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१०-१०-१९८३ ईसरी (झारखंड)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दस प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी (गुजरात) ०१-०१-१९९७
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	संघ प्रमुख
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माता जी

मानव का फल फल नहीं, कल कल नदी निनाद।
पंछी का कलरव रूचे, मानव तज उन्माद।। १३।।

आर्यिका श्री १०५ अमूल्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी किरण जी**
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती गेंदा बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति सरस्वती २. डा.मुन्नालाल जैन ३. श्रीमति सरला ४. आपका क्रम ५. ब्र.बा. सविता ६. श्रीमति संध्या
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	१०-०४-१९६५, चैत्र शुक्ल ९, शनिवार वि.सं. २०२२ बंडा बेलई, जिला- सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०७-०९-१९८५,शनिवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र आहार जी, जिला-टीकमगढ़
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह १९९२ (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। गृहस्थ जीवन के आपके चचेरे भाई मुनि श्री १०८ निरामयसागर जी आपके ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ आराध्यमति माता जी

सूर्योदय से मात्र ना, ऊष्मा मिले प्रकाश।
सूरदास तक को मिले, दिशा बोध अविनाश।।

आर्यिका श्री १०५ आराध्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रश्मि जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री सिंघई के.सी. जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती कांता बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. श्रीमति उषा २. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	०७-०४-१९७१, चैत्र शुक्ल १२, शुक्रवार (महावीर जयंती) जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	०५-१०-१९८४, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी, जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, नरसिंहपुर (म.प्र.) १९९०
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ ओंकारमति माता जी

सार सार का ग्रहण हो, असार को फटकार।
नहीं चालनी तुम बनो, करो सूप सत्कार।।

आर्यिका श्री १०५ ओंकारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी ममता जी**
पिता का नाम	:	श्री मुलायम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती इंद्राणी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. ब्र. विमल २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. ब्रा.ब्र. सविता (वर्तमान में अनुत्तरमति जी)
		४. बा.ब्र. अंजू जी (आ. अगाधमति जी)
		५. श्री विनोद ६. श्रीमती सुनीता ७. ब्र. मीना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०८-०१-१९६८ सोमवार, पौष शुक्ल ८, वि.सं. २०२४
दिन/ स्थान/समय		पिपरिया (वर्तमान में बांदकपुर), जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपौरा जी
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		(अक्षय तृतीय) जिला-टीकमगढ़ (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला-दमोह (म.प्र.) १९९२
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट
		सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०५ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ उपशांतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आ. श्री १०५ अनुत्तर मति जी, आ. श्री १०५ ओंकारमति जी एवं आ. श्री १०५ अगाधमति माताजी आप तीनों गृहस्थ जीवन की बहिनें है एवं एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ अचिन्त्यमति माता जी

नहीं व्यक्ति को पकड़ तू, वस्तु धर्म को जान।
मान तथा बहुमान दे, विराटता का गान।।

आर्यिका श्री १०५ अचिन्त्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी संध्या जी**
पिता का नाम	:	श्री शिखरचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमलारानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. स्व. साधना ३. स्व. सुरभि
(जन्म के क्रम से)		५. स्व. श्री मनोज ५. सविता
		६. श्री मनीष ७. संगीता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२४-०९-१९६९, भाद्र शुक्ल १४, बुधवार दोप.
दिन/ स्थान/समय		०१:०४ वि.सं.२०२६, वनगाँव, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०४-०१-१९८८, श्री दिगम्बर जैन क्षेत्रपाल मंदिर
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		ललितपुर (उ.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	तीन प्रतिमा, श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०५ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अलोल्यमति माता जी

चाव भाव से धर्म कर, उज्जवल कर ले भाल।
माल नहीं पर भाव सेबन तू मालामाल।।

आर्यिका श्री १०५ अलोल्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी सुमन जी**
पिता का नाम	:	श्री हुकुम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती शीलरानी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री नवीन २.श्री सुनील ३.श्रीमती सुषमा
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. श्री सतीश ६. श्री जिनेश
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२४-१०-१९६८, रात्रि १० से ११ बजे बुधवार
		माघ कृष्ण ९, वि.सं.२०२४
दिन/ स्थान/समय		टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०९-०१-१९९०, मंगलवार (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१३-०७-१९९२, श्वेत वस्त्र धारण
		श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
		०७-०८-१९९७
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९८७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अनमोलमति माता जी

यम-संयम-दम-नियम ले, कर आगम अभ्यास।
उदास जग दास बन, प्रभु का सो सन्यास।।

आर्यिका श्री १०५ अनमोलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी विद्युत जी
पिता का नाम	:	श्री भागचंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २. श्री मुकेश
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती सुमन ४. श्री विवेक
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२८-०६-१९७०, प्रात: ६:३० रविवार अषाढ़ कृष्ण १०
दिन/ स्थान/समय		वि.स. टड़ा जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	मेट्रिक
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०७-०३-१९९०, पथरिया, जिला-दमोह (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		१३-०७-१९९२,श्वेत वस्त्र धारण
		कुण्डलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
		१२-०२-१९९२
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा वि.सं. २०५४
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सोमवार, (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उचित मति माता जी

वश में हो सब इन्द्रियाँ, मन पर लगे लगाम।
वेग बढ़े निर्वेग का, दूर नहीं फिर धाम।। ३५।।

आर्यिका श्री १०५ उचितमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी सुनीता जी
पिता का नाम	:	स्व. श्री केवल चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सोना बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २. ब्र. अनीता ३. श्री मनोज
(जन्म के क्रम से)		४. विनीता ५. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०७-१०-१९७३, सोमवार आश्विन शुक्ल ५
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३०, अशोकनगर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०४-०५-१९९३ मंगलवार, श्री दिग. जैन
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		अतिशय क्षेत्र बीना वारह जी जिला-सागर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी, (गुजरात), १९९६
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ तपोमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उद्योतमति माता जी

स्वयं तिरे ना तारती, कभी अकेली नाव।
पूजा नाविक की करो, बने पूज्य तब नाव।।

आर्यिका श्री १०५ उद्योतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी भारती जी**
पिता का नाम	:	श्री मधुकर राव जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रतिभा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती मंगला २. श्रीमती नलिनी
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्रीमती अनीता
		५. श्री प्रशांत ६. श्रीमती सरिता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१६-०७-१९६९, आषाढ़ शुक्ल १०, रविवार
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२६, काटोल, जिला-नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.(हिन्दी), डी.एड. एवं बी.ए. बी.एड., शास्त्री
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२७-०७-१९९०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		नागपुर (महाराष्ट्र)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
		रामटेक जी, नागपुर (महाराष्ट्र)१९९३
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन
		रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी
		जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आज्ञामति माता जी

गुरू चरणों की शरण में, प्रभु पर हो विश्वास।
अक्षय सुख के विषय में, संशय का हो नाश।।

आर्यिका श्री १०५ आज्ञामति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी अर्चना जी
पिता का नाम	:	श्री उत्तम चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती अनीता २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती संगीता ४. श्री सुनील ५. श्री अमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२६-११-१९७३, आश्विन कृष्ण १२, सोमवार
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३०, अभाना, जिला-दमोह (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०१-०१-१९९३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूट जी क्षेत्र 1997
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ अचलमति माता जी

जठरानल अनुसार हो, भोजन का परिणाम।
भावों के अनुसार ही, कर्म बंध-फल काम।।

आर्यिका श्री १०५ अचलमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी सविता जी**
पिता का नाम	:	श्री नंदराम जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती आशा २. स्व. जिनेन्द्र ३. श्रीमती सुनीता
(जन्म के क्रम से)		४. श्री नरेन्द्र ५. स्व. अनीता ६. आपका क्रम
		७. श्रीमती संगीता ८. श्री धर्मेन्द्र
		९. श्री सत्येन्द्र १०. कु. सपना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१२-०९-१९७४, गुरुवार, द्वितीय भाद्रपद कृष्ण
		११, १२:३० रात्रि वि.सं. २०३१
दिन/ स्थान/समय		कंदवा, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२९-०९-१९९५ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर जी, जिला-दमोह (म.प्र.)
		१८-०६-१९९७, श्वेत वस्त्र धारण नेमावर
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी जी
		क्षेत्र में १९९७
आर्यिका दीक्षा	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार,
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन
		रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी
		जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी

सब में वह ना योग्यता, मिले न सबको मोक्ष।
बीज सीझते सब कहाँ, जैसे टर्रा मोठ।।

समाधिस्थ आर्यिका श्री १०५ अवगममति माता जी

पूर्व का नाम	:	**ब्रह्मचारिणी श्रीमती लक्ष्मी बाई जी**
पिता का नाम	:	स्व. श्री राय बहादुर प्यारेलाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती गिरिजा बाई जी जैन (पति स्व. श्री डॉ. सुमेरचंद जैन)
भाई-बहिन के नाम (जन्म के क्रम से)	:	१. स्व. श्रीमती ललिता बाई २. श्रीमती चंपा ३. स्व. श्रीमती मालती बाई ४. श्री प्रकाशचंद्र ५. स्व. श्री कैलाश चंद्र ६. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२५-०८-१९४० रविवार सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१९८५ (मुनि श्री क्षमासागर जी से) जिला-दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महुआजी, गुजरात में १९९६
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१८-०८-१९९७ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार, वि.सं. २०५४ (रक्षाबंधन के दिन) श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी जिला-देवास म.प्र.
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अकंपमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।
समाधि	:	२५-०५-२०१८ गुरुवार प्रथम ज्येष्ठ शुक्ल १० वी.नि.सं. २५४४ प्रात: ११:१५ ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.)

आर्यिका श्री १०५ स्वस्थ्यमति माता जी

शत-शत सुर नर पति करे, वंदनशत्-शत् बार।
जिन बनने जिन चरण रज, लूँ मैं सिर पर सार।। ३।।

आर्यिका १०५ स्वस्थ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी शशि दीदी**
पिता का नाम	:	श्री धन्ना लाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लक्ष्मी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. आपका क्रम २.राकेश ३.सुनीता
(जन्म के क्रम से)		४. श्री राजेश ५. श्री सुनील
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९६१, मोराजी सागर (म.प्र.)
दिन/ स्थान/समय		
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	हायर सेकेण्डरी (11वीं)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९८०
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरि जी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	दो प्रतिमा (मुक्तागिरी) सात प्रतिमा
		कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ तथ्यमति माता जी

सार-सार दे शारदे, बनूं विशारद धीर।
सहारद`त ारद`,उ तारद`उ सत ीर।।

आर्यिका १०५ तथ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती दीदी
पिता का नाम	:	श्री बुधमल जी जैन (चौधरी)
माता का नाम	:	श्रीमती बादामी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. स्व. श्री सुगन जैन २.श्रीमती शशि
(जन्म के क्रम से)		३.श्री अनिल ४. श्रीमती गुणमाला
		५. श्री सुनील ६. श्रीमती ममता
		७. श्री संजय, ८. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०८-०१-१९७२, शनिवार, वि.सं. २०२८ माघ कृष्ण८
दिन/ स्थान/समय		गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२१-०९-१९९२, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेद्ध
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी जिला-बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, नेमावर०९-१२-१९९७ वि.सं. २०६२
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ वात्सल्यमति माता जी

तन मन को तप से तपा, स्वर्ण बनूं छविमान।
भक्त बनू भगवान को, भजूं बने भगवान।।

आर्यिका १०५ वात्सल्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी साधना दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री गुलझारी लाल जी जैन
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती विमला बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री अभय २.श्री विनय
(जन्म के क्रम से)		३.श्रीमती अनीता ४. श्रीमती सुनीता
		५. आपका क्रम ६. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१५-०६-१९६५, मंगलवार आषाढ़ कृष्ण १ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०२२, शाहपुर, जिला-सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१२-०७-१९८४, चतुर्दशी, गुरुवार
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी जबलपुर (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सिद्ध क्षेत्र मुक्तागिरी, बैतूल (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ पथ्यमति माता जी

शीत करूँ सब पाप को, हरूँ ताप वन शान्त।
गति आगति रति मिटे, मिले आप निज प्रान्त।।

आर्यिका १०५ पथ्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रजनी दीदी
पिता का नाम	:	श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती उज्जवला २.आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३.श्रीमती प्रीति ४. श्री सुमित
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०८-०१-१९७२, माघ कृष्ण ८, शनिवार
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२८ गुना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी साहित्य)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१५-०५-१९९१
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		मुक्तागिरी बैतूल (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, खेड़ाग्राम
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ जागृतमति माता जी

चेतन का जब जतन हो, सो तन की हो धूल।
मिले सनातन धाम सो, मिटे तनातन भूल।।

आर्यिका १०५ जागृतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी संतोष दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री माणिकचंद जी पाटौदी
माता का नाम	:	श्रीमती तारा देवी जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती कनकलता २. श्रीमती विमला
(जन्म के क्रम से)		३. श्री आनंद ४. श्रीमती किरणलता
		५. श्री अशोक ६. आपका क्रम
		७. श्री अनिल ८. राजकुमार ९. संगीता
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९६८, कुचामन सिटी, नागौर(राजस्थान)
दिन/ स्थान/समय		
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एच.एस.सी. (आर्ट्स)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०३-१२-१९८३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२,७,८,९ प्रतिमा सन् १९८४ में
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति माता जी

फूल राग का घर रहा, काय रहा विराग।
तभी फूल का पतन हो, राग त्याग तू जाग।। ३९।।

आर्यिका श्री १०५ कर्तव्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी डॉ.श्रद्धा दीदी**
पिता का नाम	:	स्व. श्री वन्शीधर जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती चमेली बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्री गुलाब जी २.श्रीमती अंगूरी
(जन्म के क्रम से)		३. श्री विनोद जी ४. श्री वीरेन्द्र जी
		५. स्व.श्रीमती पद्मा ६ . श्री अहमेंन्द्र
		७.आपका क्रम ८.बा. ब्र. सुनंदा दीदी
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०५-०७-१९७२,बुधवार, पिपरिया, आषाढ़ कृष्ण ९
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२९ (बाद में बंडा में निवास)
		जिला सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. डवल (हिन्दी, संस्कृत), डी.एन.वाय.एस.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२८-०७-१९९३, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरुमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आपके गृहस्थ जीवन के भतीजे मुनि श्री १०८ नीरोगसागर जी एवं आर्यिका श्री १०५ सूत्रमतिमाता जी आपके गृहस्थ जीवन की चचेरी बहिन है जो आपके गुरू से ही दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ गंतव्यमति माता जी

जीव जिलाना, जालना, दिया जलाना कार्य।
भूल भुलाना, भूलना, शिव-पथ में अनिवार्य।। ४५।।

आर्यिका श्री १०५ गंतव्यमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ.देविका जैन
पिता का नाम	:	श्री सुरेश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	स्व.श्रीमती आशारानी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २.श्री विनय जी
(जन्म के क्रम से)		३. श्रीमती रेणुका जी ४.श्रीमती सृजुला
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०४-११-१९६९, शनिवार, कार्तिक कृष्ण १४ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०२९ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (डवल) एम.ए.एन.डी. आस्टिमोपैथी
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०७-०८-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५ वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संस्कारमति माता जी

विकसित हो जीवनलता, विसलित गुण के फूल।
ध्यानी मौनी सूंघता, महक उठे आमूल।।

आर्यिका श्री १०५ संस्कारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी कल्पना दीदी**
पिता का नाम	:	श्री बाबूलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती अंगूरी बाई जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती सरोज २.श्री अनिल ३. श्रीमती शशि
(जन्म के क्रम से)		४.श्री आजाद ५. आपका क्रम ६. श्रीमती मंजू
		७. श्री सुनील ८. श्री संतोष ९. श्रीमती सीमा
		१०. श्रीमती सपना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१९६६, गुना (म.प्र.)
दिन/ स्थान/समय		
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए. (हिन्दी, अर्थशास्त्र, राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१९९३
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मढ़िया जी
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	जबलपुर (म.प्र.) सूरत, १९९६
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ निष्काममति माता जी

रसना रस गुण को कभी, ना चख सकती भ्रात।
मधुरादिक पर्याय को, चख पाती हो ज्ञात।। ६०।।

आर्यिका श्री १०५ निष्काममति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी पद्मश्री दीदी**
पिता का नाम	:	श्री महावीर जी (कुडचे) जैन
माता का नाम	:	श्रीमती माणिक (कुडचे) जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		२.बा.ब्र.राजश्री (वर्तमान में आर्यिका विरतमति जी)
		३. श्री बाहुबली जी ४. कु.भाग्य श्री
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२१-०७-१९७८, बुधवार, आषाढ़ कृष्ण १ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय	:	२०३५, जुगूल, जिला बेलगाँव, कर्नाटक
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२४-०६-१९९७, मंगलवार, श्री दिगम्बर जैन रेवातट
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, करेली, जिला-नरसिंहपुर (म.प्र.) मार्च २००१
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका विरतमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। और दोनों बहन एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ विरतमति माता जी

सीधे सीझे शीत हैं, शरीर बिन जीवन्त।
सिद्धों को शुभ नमन हो, सिद्ध बनूं श्रीमन्त।। १।।

आर्यिका श्री १०५ विरतमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी राजश्री दीदी**
पिता का नाम	:	श्री महावीर जी (कुड़चे) जैन
माता का नाम	:	श्रीमती माणिक (कुड़चे) जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.बा.ब्र.पद्म श्री (वर्तमान में आर्यिका निष्काममति जी)
(जन्म के क्रम से)		२.आपका क्रम ३. श्री बाहुबली जी ४. कु. भाग्य श्री
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२०-११-१९७९,मंगलवार, मार्गशीर्ष शुक्ल-१
दिन/स्थान/समय		वि.सं. २०२६,जुगूल, जिला बेलगाँव (कर्नाटक)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	दसवीं
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२४-०६-१९९७, मंगलवार श्री दिगम्बर जैन रेवातट
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास म.प्र.
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह,म.प्र., (मार्च)२००१
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई है। आर्यिका निष्काममति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। और ये एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ तथामति माता जी

प्रभु दिखते तब और ना, और समय संसार।
रवि दिखता तो एक ही, चन्द्र साथ परिवार।। २०।।

आर्यिका श्री १०५ तथामति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी राखी दीदी**
पिता का नाम	:	श्री नवीन कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रतिमा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २.श्री नितिन
(जन्म के क्रम)		३. श्री नीलेश ४.कु. रचना
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-०६-१९७६ शुक्रवार,आषाढ़ कृष्ण ८
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०३५, विदिशा,(म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. प्रथम वर्ष (राजनीति)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-०४-१९९८, भाग्योदय, सागर(म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री सिद्धक्षेत्र नेमावर जी (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, कुण्डलपुर दमोह,(म.प्र.) २०००
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुरूमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ उदारमति माता जी

शिवपथ नेता जितमना, इन्द्रिय जेता धीश।
तथा प्रणेता शास्त्र के, जय जय जय जगदीश।। ३।।

आर्यिका श्री १०५ उदारमति माता जी

पूर्व का नाम	:	**बाल ब्रह्मचारिणी अंजू दीदी**
पिता का नाम	:	श्री विजय कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती प्रमिला जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती ममता २.श्रीमती रंजना ३. श्री मनीष
(जन्म के क्रम से)		४. आपका क्रम ५. श्री मनोज
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०८-१९७२, रविवार श्रावण शुक्ल ४
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२९ पिंडरई, जिला - मण्डला (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१२-१२-१९९०, रामटेक (महाराष्ट्र)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, विदिशा (म.प्र.)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ विजितमति माता जी

प्रतिभा की इच्छा नहीं, आभा मिले अपार।
प्रतिभा परदे की प्रथा, आभा सीधी पार।।

आर्यिका श्री १०५ विजितमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी बबीता दीदी
पिता का नाम	:	श्री अजित कुमार जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती सुधा जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.आपका क्रम २.श्री राजीव
(जन्म के क्रम से)		३. श्री संजीव
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०२-१२-१९७१, गुरुवार मार्गशीर्ष शुक्ल १५
दिन/ स्थान/समय		(पूर्णिमा) सतना (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (समाज शास्त्र)
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०४-०९-१९९७, श्री दिगम्बर जैन रेवातट सिद्धोदय
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		सिद्ध क्षेत्र नेमावर जी, जिला-देवास (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ दृढ़मति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ संतुष्टमति माता जी

मूर्तिक इन्द्रिय विषय भी, मूर्तिक है पर्याय।
तभी सुधी उपयोग का, करते हैं स्वाध्याय।। ६३।।

आर्यिका श्री १०५ संतुष्टमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी श्वेता दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री वंशीलाल जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती कमला जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती सुनीता २. श्रीमती अनिता ३. श्रीमती विनीता
(जन्म के क्रम से)		४. श्रीमती बबीता ५.श्री दीपक ६. बा.ब्र.दिलीप जी (वर्तमान में मुनि निर्वेगसागर जी) ७. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/ दिन/ स्थान/समय	:	२०-११-१९७५,शनिवार कार्तिक कृष्ण २, वि.सं. २०३२, छिंदवाड़ा (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१६-१०-१९९७, श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा (विदिशा)
आर्यिका दीक्षा दिनांक/दिन/तिथि/स्थान	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२ श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई है। आपके गृहस्थ जीवन के भाई मुनि श्री १०८ निर्वेगसागर जी है एवं आप दोनों एक ही गुरू से दीक्षित है।

आर्यिका श्री १०५ निकटमति माता जी

तभी मनोरथ पूर्ण हो, मनोयोग थम जाय।
विद्या रथ पर रूढ़ हो, तीन लोक नम जाय।। ९२।।

आर्यिका श्री १०५ निकटमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. मीनू दीदी
पिता का नाम	:	स्व. श्री शिखर चंद जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती ममता जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्रीमती अनीता २.बा.ब्र. विनीता जी
(जन्म के क्रम से)		(वर्तमान में आर्यिका श्री निर्वेगमति जी)
		३. आपका क्रम ४. श्री संदीप ५. श्री सुदीप
जन्म दिनांक/तिथि/	:	०२-११-१९७४, शनिवार, कार्तिक शुक्ल ३ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०३१ जबलपुर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	डबल एम.ए. (संस्कृत, फिलासफी), एन.डी.वाई. एस.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०७-०८-१९९५, वि.सं. २०६२ श्री दिग. जैन सिद्धक्षेत्र
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	नहीं
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ अनंतमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई। आर्यिका निर्वेगमति जी आपके गृहस्थ जीवन की बहिन हैं। आप दोनों एक ही गुरु से दीक्षित हैं।

आर्यिका श्री १०५ संवरमति माता जी

सौरभ के विस्तार हो, नीरस न रस कूप।
नमूं तुम्हें तुम तम हरो, रूप दिखाओ धूप।। ९४।।

आर्यिका श्री १०५ संवरमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी प्रीति दीदी
पिता का नाम	:	श्री विमल कुमार जी सतभैया
माता का नाम	:	श्रीमती आशारानी जी
भाई-बहिन के नाम	:	१.श्री राजकुमार २. बा.ब्र. संजय जी
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम
जन्म दिनांक/तिथि/	:	१३-०५-१९६९,मंगलवार ज्येष्ट कृष्ण १२ वि.सं.
दिन/ स्थान/समय		२०२६ , नागपुर (महाराष्ट्र)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.कॉम. डी.बी.एम.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	२५-०८-१९९३, महावीर जयंती
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		रामटेक महाराष्ट्र
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	२ प्रतिमा १९-०६-१९९७ नेमावर
		७ प्रतिमा भाग्योदय तीर्थ सागर, (म.प्र.)
		(मुकुट सप्तमी)
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६, सोम, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ आदर्शमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई ।

आर्यिका श्री १०५ ध्येयमति माता जी

धर्म धनिकता में सदा, देश रहे बल जोर।
भवन वही बस चिर टिके, नीव नहीं कमजोर।। ८८।।

आर्यिका श्री १०५ ध्येयमति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी भारती दीदी
पिता का नाम	:	श्री प्रकाश चंद्र जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पा जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्री मनीष २. स्व.अरविंद जी
(जन्म के क्रम से)		३. आपका क्रम ४. श्री संजय
जन्म दिनांक/तिथि/	:	११-०८-१९८०, सोमवर, श्रावण शुक्ल १, वि.सं
दिन/ स्थान/समय		२०३७ कदवाँ (बाद में बण्डा) सागर (म.प्र.)
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	बी.ए.
ब्रह्मचर्य व्रत	:	१४-०५-१९९६, शाहपुर जिला- सागर (म.प्र.)
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	सात प्रतिमा, मढ़िया जी जबलपुर,०१-०८-२००५
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी, जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुणमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।

आर्यिका श्री १०५ आत्ममति माता जी

इसी भांति सब इन्द्रियाँ, ना जाने गुण-शील।
इसीलिए उपयोग में, रमते सुधी सलील।। ६२।।

आर्यिका श्री १०५ आत्ममति माता जी

पूर्व का नाम	:	बाल ब्रह्मचारिणी रेणु दीदी
पिता का नाम	:	श्री आनंद प्रकाश जी जैन
माता का नाम	:	श्रीमती स्वदेश जी जैन
भाई-बहिन के नाम	:	१. श्रीमती अनीता २. आपका क्रम
(जन्म के क्रम से)		३. श्री राजेश ४. श्री कमल
जन्म दिनांक/तिथि/	:	२३-१२-१९६७, शनिवार, पौष कृष्ण ७,
दिन/ स्थान/समय		वि.सं. २०२४
शिक्षा (लौकिक/धार्मिक)	:	एम.ए. (हिन्दी), बी.एड. डिप्लोमा
ब्रह्मचर्य व्रत	:	०१-०८-१९८८
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		
प्रतिमा (कब/कहाँ)	:	६ प्रतिमा अमरकंटक २००४
आर्यिका दीक्षा	:	१३-०२-२००६ सोमवार, माघसुदी १५,वि.सं. २०६२
दिनांक/दिन/तिथि/स्थान		श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर जी,
		जिला- दमोह (म.प्र.)
दीक्षा गुरु	:	आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज
वर्तमान में संघस्थ	:	आर्यिका श्री १०५ गुणमति माता जी
विशेष	:	आपकी सीधी आर्यिका दीक्षा हुई।